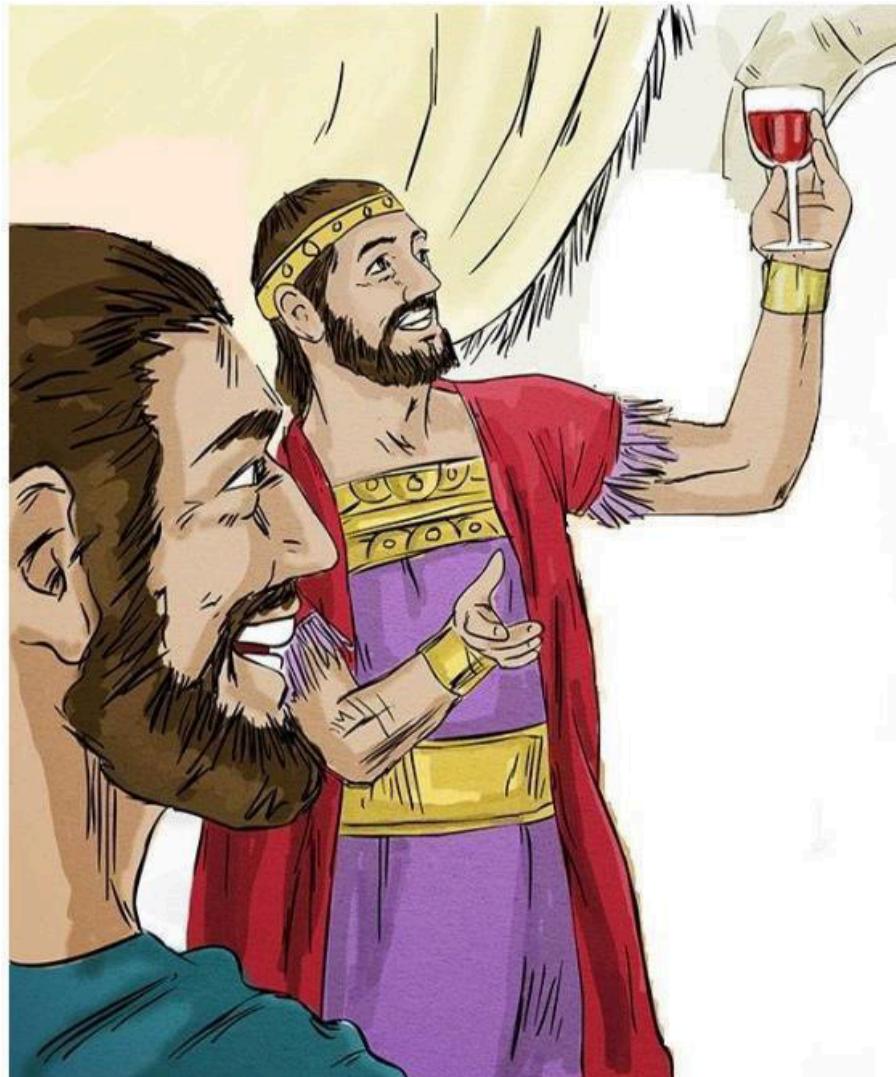


# सेट माणूछ औजि गौरीब लाजर





# सेट माणूष औज़ि गौरीब लाज़र

bangani  
uttarkashi, uttrakhand, india



For permission to reuse, contact the copyright holder.

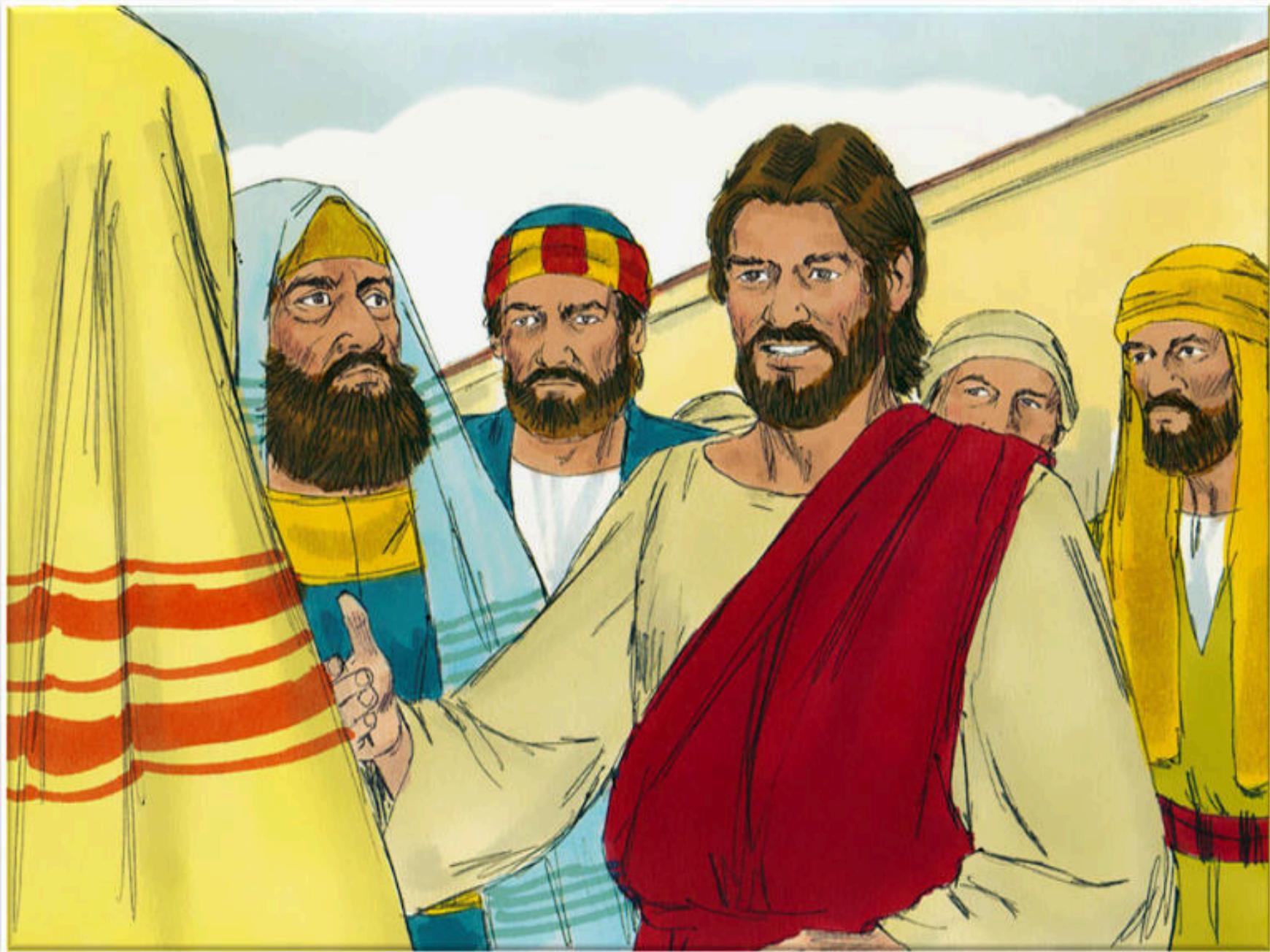
Bangani Language Book  
Red level book

प्रकाशण:-

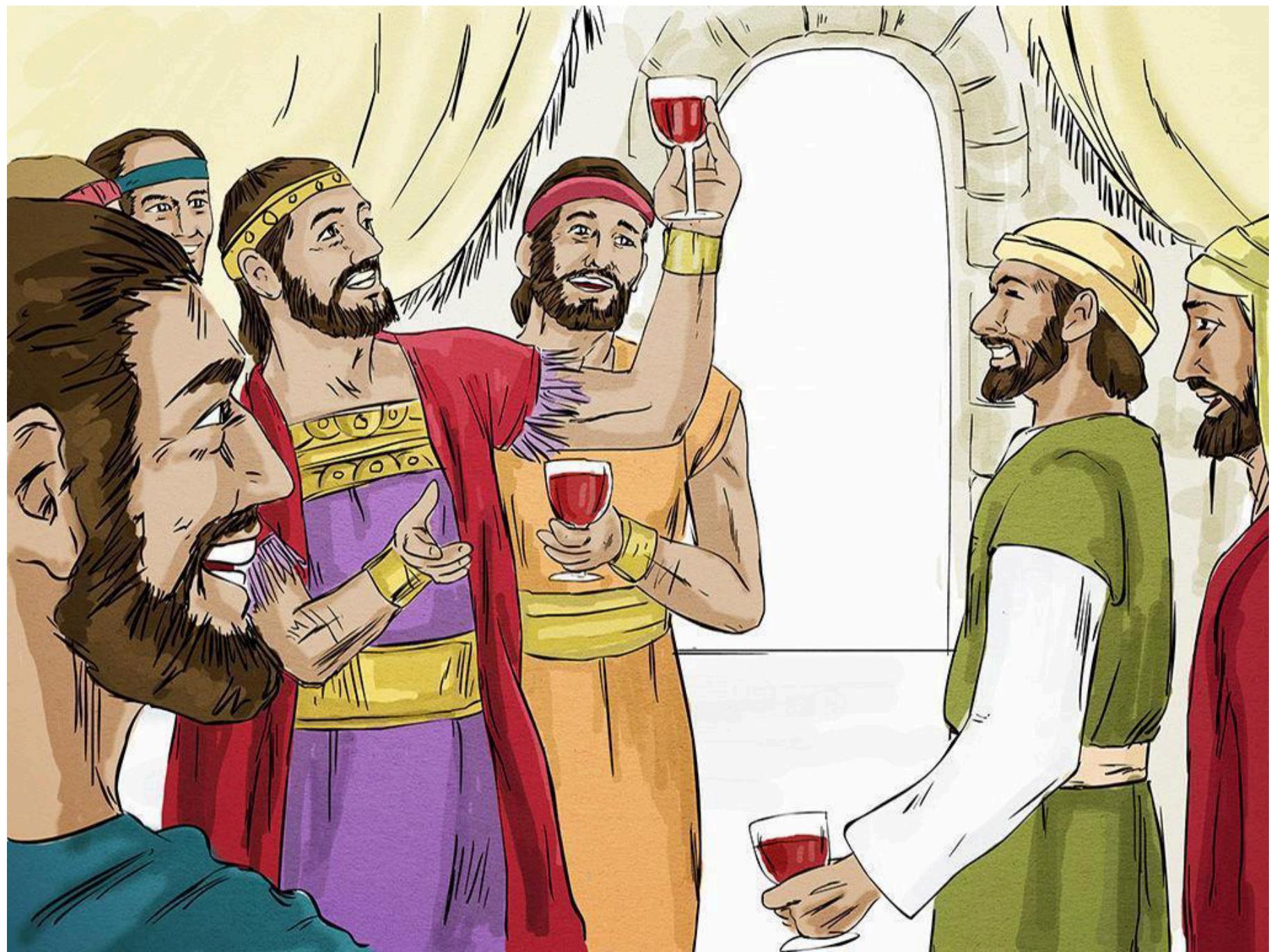
NLCI  
बंगाणी मसी समिति समू

## दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें एक धनवान और एक गरीब लाजर, उसके बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



एक दृस यीशु लोगु कौइ परमेश्वर रौ  
बचन रौ थौ शुणान्दै लागी। तेत्के कुछ  
नियम कानुण शिकाणैं वाळै औज़ि  
फरीसी, यीशु रि बुशै रौऐ थै शुण्डै  
लागी। औज़ि तिउँ यीशु रि बुशै रौ  
मौज़ाक चाणौ



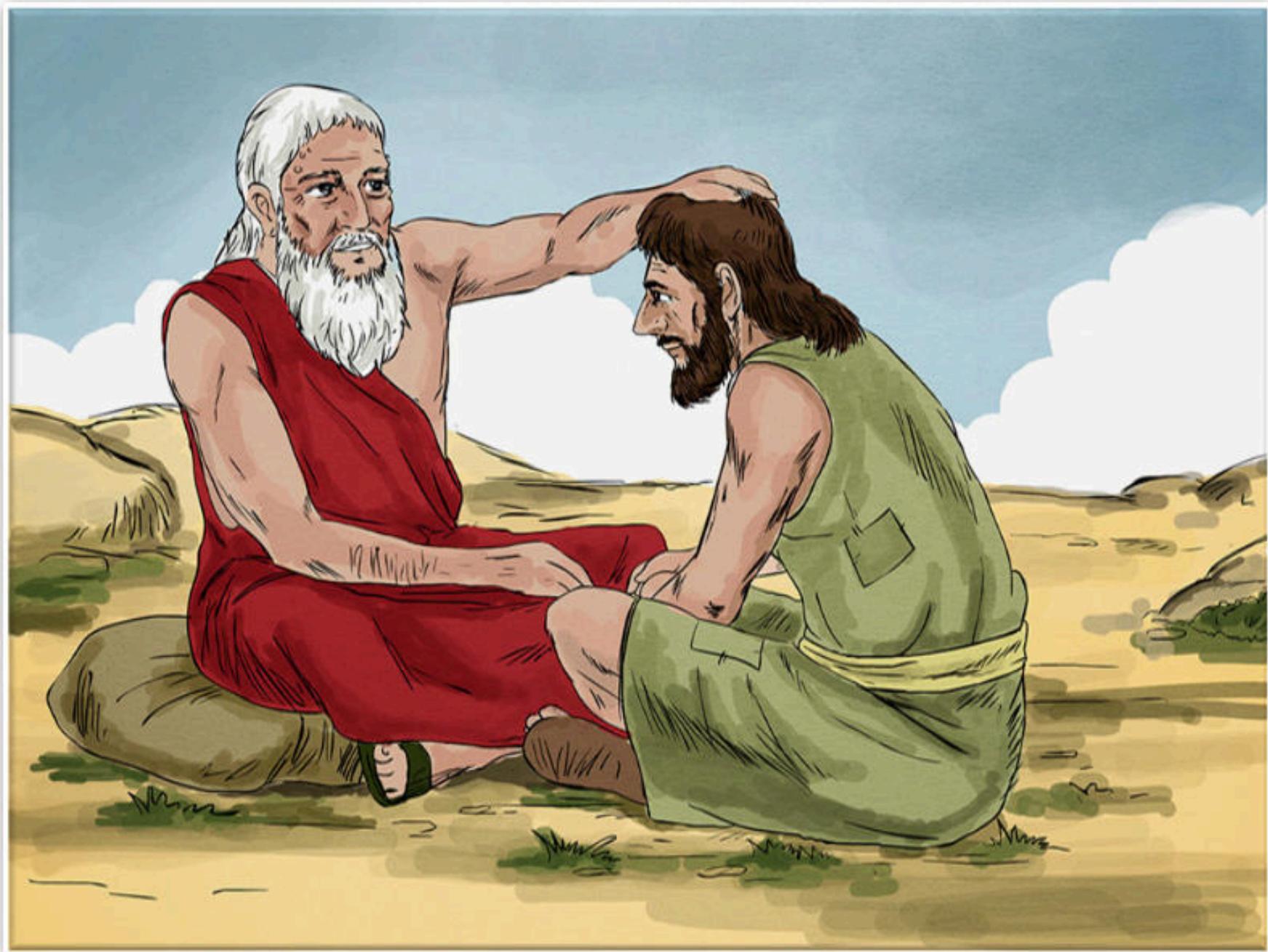
तैबै यीशुइ तिउँकै एक कांडणी  
सौमज्ञान्दु बैरे बोलो। एक सेट थो, सेउ  
बौडिया औज़ि मखमल रै जुडकै बिड़े  
थो। सेउ सेट तै बौड़े ठाट कौइ आपड़ी  
ज़िन्दगी ज़ियै थो।



तेथिकै लाज़र नौऊँ रौ एक माणूछ थौ,  
तेसरै शौरीर दि बौरी दुखणै थै बौणौन्दै।  
लाज़र गौरीब थौ, औज़ि लोग तेस सेट  
रै गौरै रै दुवारै काइ छोडै थै। औज़ि  
लाज़र के सेट रौ जूठौ खाणौ बि ना  
मिलै थौ।



आौजि तेस गौरीब लाज़र रै दुखणौऊँ  
कुकूर चाटै थौ। एक दूस गौरीब लाज़र  
पोरु मौरौ। स्वर्गदुतेइ लाज़र अब्राहम रि  
ऊंगाळी दि बोशाळौ।



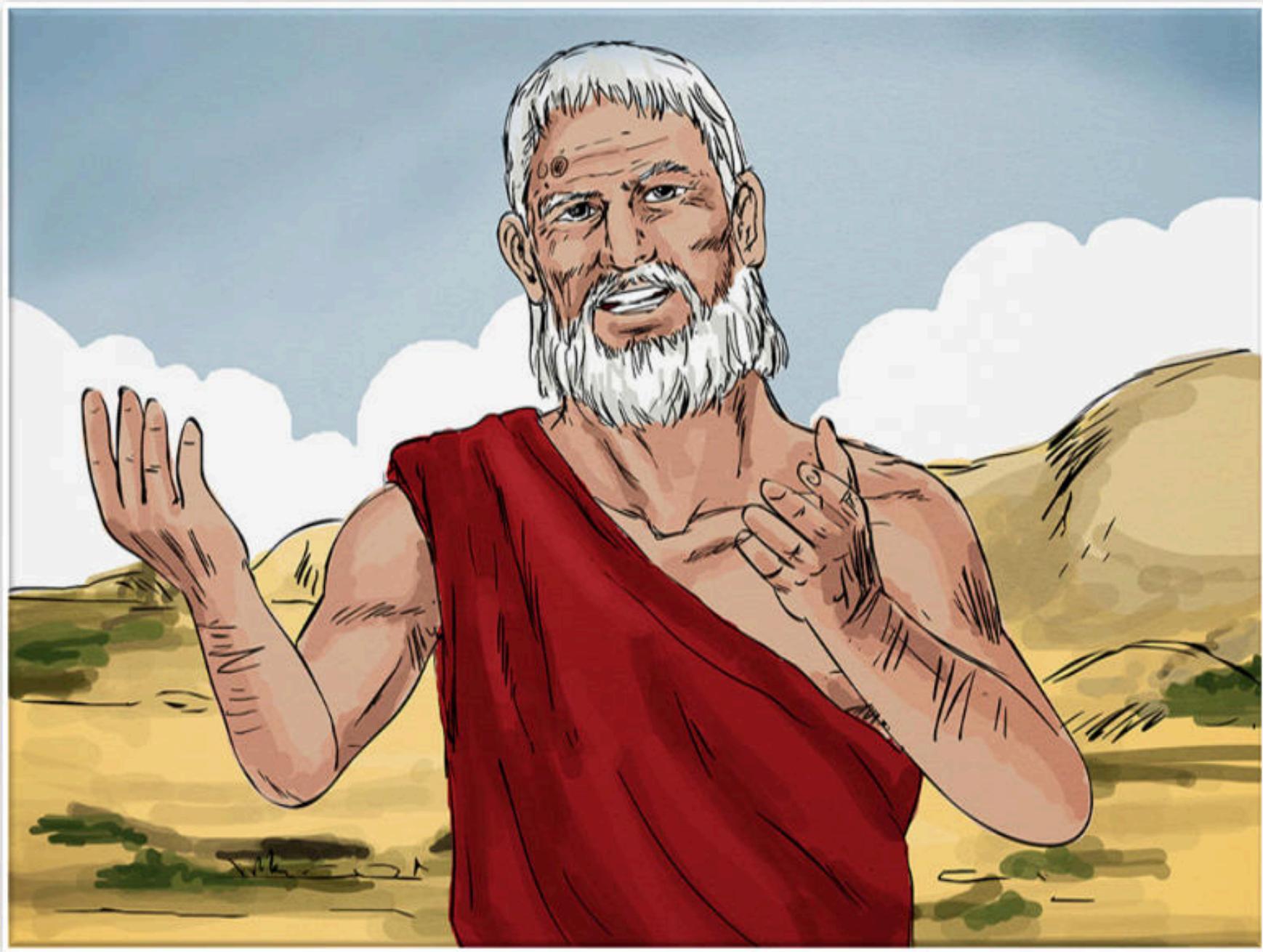
तेतबासियै सेउ सेट वि पोरु मौरौ, सेउ  
नरक दि डैओ। सेटेइ नरक कौइ स्वर्ग  
वि देखौ। नरक कौइ सेटेइ लाज़र  
अब्राहम रि ऊंगाळिदि देखौ।



तैवै सेटेइ अब्राहम आरि बोलौ, कि  
मुँदी दौया कौरियौ लाज़रेइ एत्के छाड़ ।  
कि सेउ आपडी ओंठी पाणि माइं  
रुज़ाइयौ मेरी ज़िबेइ शेळी कौरै लौ ।  
केलाकि आऊँ एत्के ईं आगी माइं  
तौड़फु-दे लागौ-दौ ।



अब्राहमेड़ सेट आरि बोलौ, तू आपड़ी  
ज़िन्दगी दि सुख कौइ रौ। औज़ि लाज़र  
कै पूरी ज़िन्दगी दि दुख इ दुख मिलौ।  
पर ऐवै लाज़र एत्कै शान्ति कौइ रौऐ,  
औज़ि तु तौड़फु-दे लागौ-दौ।



अब्राहमेड बोलौ कि आमारे औज़ि  
तुमारे बिच्चे दि एक बौड़ी खाइ । एज़ी  
बौज़ै कोइ एतकोइ ताउँकाइ आणौ बि  
च्चाए लौ, तैबै बि सेउ ना आइ सौकदौ ।  
औज़ि कोइ तेतकौइ एत्के आणौ चाए  
सेउ बि ना आइ सौकदौ ।



सेटेइ अब्राहम आरि जेकारी कौरी,  
लाज़रेइ मेरै पापा रै गौरे छाड़ । कि सेउ  
तेत्कै डेइयौ मेरै पाँच बाइउँ चोकश  
कौरै लौ । केथिकै एशौ ना चाइं उइ कि  
मेरै बाइ बि एथिकै आयै आगी माइं ।



अब्राहमेइ सेट आरि बोलौ, तिउँकै मूसा  
री किताबै। तिउँ तीं किताबी कौइ  
बचन शुणनै दै। तैबै सेटेइ बोलौ कि सै  
तिउँरि केटकै शुणैण। पर अब्राहमेइ  
बोलौ, ज्ञौ सै मूसा रै नियम ना शुणलै  
तैबै सै एसरी बूशै बि ना मानै लै।

## For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.



यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में व्यस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

,,,,,,,,,धन्यवाद,,,,,,,,,



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.